VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2422)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 55+1 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 55+1 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1562165

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SACHIN GURJAR

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)
GENERAL STUDIES (Paper I)

तारीख
Date
26 Aug 2023

केंद्र
Centre ~~Bhai Joga Singh~~ ~~Delhi~~ JVSD School, Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1			11		
2			12		
3			13		
4			14		
5			15		
6			16		
7			17		
8			18		
9			19		
10			20		
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-I)/GENERAL STUDIES (Paper-I) (2422)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*कुल **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Answers to Questions No. 1 to 10 should be in 150 words, whereas answers to Questions No. 11 to 20 should be in 250 words.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. भारत के पारंपरिक रंगमंच के रूप समाज के आदर्शों और भावनाओं तथा समुदाय में एक व्यक्ति की भूमिका को दर्शाते हैं। उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
The traditional theatre forms of India reflect the ideals and emotions of the society, and an individual's role in the community. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय रंगमंच परंपरा भरतमुनि के नाट्यशास्त्र (5 वीं सदी) से उल्लेखित होती है जो कालिदास, विशाखदत्त जैसे संस्कृत एवं पेदन्ना जैसे दक्षिणी नाटककारों द्वारा विकसित हुई।

भारतीय नाट्य परंपरा की खास विशेषता इसकी रंगमंचीयता थी

(i) समाज के आदर्शों व भावनाओं का प्रदर्शन

→ नाट्यशास्त्र व रंगमंच में पौराणिक कथाओं का प्रदर्शन

उदा॰ - रामलीला - रामायण
रासलीला - कृष्ण जीवन

→ सहनशीलता, ईमानदारी, एवं बंधुत्व व प्रेम जैसे तत्वों का समावेश

उदा॰ → कालिदास - मेघदूतम्
विशाखदत्त - मुद्राराक्षस
शूद्रक - मृच्छकटिकम्

(ii) व्यक्ति (individual) की भूमिका →

भारतीय रंगमंच की विशेषता है कि प्रत्येक चरित्र को अपने विकास का पर्याप्त अवसर दिया जाता है।

इसमें व्यक्ति के द्वन्द्वों, मनोभावों एवं अनुभूतियों का प्रकटीकरण भी होता है।

अतः भारत का पारंपरिक रंगमंच चाहे वह शास्त्रीय हो अथवा लोकनाट्य अपनी क्षमता में भारतीय समाज के आदर्शों व मूल्यों एवं भावनाओं के साथ व्यक्ति को महत्त्वपूर्ण स्थान देते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. सांची स्तूप के ऐतिहासिक और स्थापत्य कला संबंधी महत्व का विवरण दीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि इसने भारत में भविष्य की स्थापत्य कला को किस प्रकार प्रेरित किया है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Provide an account of the historical and architectural importance of the Sanchi Stupa. Also, discuss how it inspired the future architecture in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

सांची में स्थित बौद्ध स्तूप, भारतीय स्थापत्य कला एवं इतिहास की दृष्टि से अतुलनीय है। इसका निर्माण विभिन्न चरणों में हुआ जो इसे स्थापत्य के विभिन्न प्रकारों का सम्मिलन बनाता है।

ऐतिहासिक महत्व

1.) अशोक कालीन समाज का चित्रांकन

2.) इण्डो-ग्रीक एवं मौर्योत्तर काल की जानकारी

3.) अन्य आर्थिक एवं राजनीतिक चिन्हों द्वारा इसका ऐतिहासिक महत्व समझा जा सकता है

स्थापत्य कला संबंधी महत्व →

1.) बुद्ध के जीवन से जुडी घटनाओं

का मूर्तियों के रूप में चित्रांकन

2.) तोरण द्वारा अलंकरण

3.) स्तूप का दोहरा प्रदक्षिणा पथ अद्वितीय

4.) जनजीवन को सुंदर चित्रों द्वारा उकेरा गया है।

भविष्य की प्रेरणा →

1.) यह मूर्तिकला के प्रारंभिक चिन्हों में शामिल

2.) स्थापत्य कला के विभिन्न विकासपथ इसको भविष्य की प्रेरणा बनाते हैं

इस तरह साँची स्तूप न केवल बौद्ध बल्कि भारतीय स्थापत्य व इतिहास का स्वर्णिम प्रतीक है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. भगत सिंह ने क्रांतिकारी विचारधारा, क्रांति के लक्ष्यों और क्रांतिकारी संघर्ष के रूपों के संदर्भ में एक वास्तविक दृष्टिकोण प्रदान किया है। स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Bhagat Singh made a real breakthrough in terms of revolutionary ideology, the goals of revolution and forms of revolutionary struggle. Elucidate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी पक्ष के वाहक थे जिन्होंने हिंसात्मक प्रयासों द्वारा भारत की आजादी के लिये प्रयास किया।

उनका दृष्टिकोण न केवल क्रांति विचारधारा में पृथक था बल्कि उन्होंने क्रांति संघर्ष के रूपों में भी अलग व वास्तविक दृष्टिकोण प्रदान किया -

क्रांतिकारी विचारधारा को →

भगत सिंह के आने से पहले यह विचारधारा केवल अंग्रेजों के विरुद्ध लूट, हत्या तक सीमित थी (उदा० चरगाँव घटना, लॉर्ड हार्डिंग पर बम) लेकिन भगत सिंह ने असेम्बली में बम जैसे तरीकों से 'बहरों को सुनाने' जैसे व्यापक लक्ष्य द्वारा इसे वृहत किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

क्रांति के लक्ष्य →

भगत सिंह समाजवादी विचारधारा से प्रेरित थे। पहले के क्रांतिकारी केवल भारतीय स्वतंत्रता के लिये प्रेरित थे, लेकिन भगत सिंह ने इसमें सामाजिक व आर्थिक न्याय को जोड़ा।

क्रांतिकारी संघर्ष रूप →

पहले क्रांतिकारी संगठित नहीं थे एवं उनके मध्य अधिक संवाद नहीं था। लेकिन भगत सिंह ने आजाद, बिस्मिल, अशफाकुल्लाह खाँ जैसे क्रांतिकारियों के साथ पंजाब नौजवान सभा, HRA व HSRA जैसे संगठन बनाये व इस पद्धति को व्यवस्थित किया।

भगत सिंह ने भारत की स्वतंत्रता हेतु जो योगदान दिया, वह अतुलनीय है।

4. मेजी पुनर्स्थापना के कारणों को उजागर करते हुए, जापान के लिए इसके महत्व की विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Bringing out the factors that led to the Meiji restoration, discuss its significance for Japan. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

जापान में 19वीं सदी का समय उथल-पुथल का रहा। राजवंश एवं क्राँतियों के बदलते स्वरूप एवं अंत में मेजी की पुनर्स्थापना वृहत घटनाएँ थीं।

मेजी पुनर्स्थापना के कारण →

1.) विकास में जापान पीछे

2.) सैन्य शक्ति के रूप में जापान की शक्ति कमजोर

3.) जनता में बढ़ता असंतोष

4.) मेजी राजवंश को उखाड़ने के पश्चात् भी लक्ष्यों की प्राप्ति न हो पाना

इस तरह समग्र कारणों का परिणाम मेजी पुनर्स्थापना था।

जापान के लिये महत्व →

1.) तीव्र औद्योगीकरण

2.) एशिया एवं विश्व में नयी आर्थिक शक्ति बनकर उभरा

3.) शीघ्र ही विकसित राष्ट्र में बदल गया

4.) सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित

5.) वैश्विक शक्ति के रूप में पहचान

जापान ने मेजी के रूप में स्थापित शासन को रखते हुये विभिन्न आर्थिक- राजनैतिक सुधार किये।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. यह माना जाता है कि एक राष्ट्र वस्तुत: एक "कल्पित समुदाय" होता है जो साझा विश्वास, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षाओं आदि द्वारा संगठित होता है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि एक राष्ट्र के रूप में भारत का आधार क्या है। साथ ही, भारतीय राष्ट्रत्व की अवधारणा के समक्ष विद्यमान खतरों को भी उजागर कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

It is believed that a nation is an "imagined community" held together by common beliefs, history, political aspirations etc. In this context, discuss what the basis of India as a nation is. Also, bring out the threats to the concept of Indian nationhood. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margi

राष्ट्र एक व्यापक अवधारणा है जिसमे सम्पूर्ण जनता में एकता की भावना एवं ऐतिहासिक साझेदारी के साथ भविष्य की राजनैतिक आकांक्षाएँ जुड़ी रहती है।

राष्ट्र के रूप में भारत का आधार →

1.) साझा विश्वास → भारतीय विश्वास परंपरा सदियों से समान रही है। रूढ़ियों, प्रथाओं एवं त्यौहारों का सम्मिलन एवं विभिन्न लोग व धर्मों का एक दूसरे में विश्वास इसका प्रमाण है।

2.) साझा इतिहास → अशोक से लेकर औरंगजेब

एवं अंग्रेजों के समय में भी भारतीय प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में एक इकाई बने रहे।

भक्ति आंदोलन भी दक्षिण में उपजकर उत्तर में फला-फूला।

राजनीतिक आकांक्षा → (i) समस्त भारतीयों में लोकतंत्र की भावना मौजूद है।

(ii) समान प्रतिनिधित्व ~~प्रत~~ प्रणाली उपस्थित

(iii) साझा राजनैतिक मुद्दे एवं लक्ष्य (जैसे- क्षेत्रीय राजनीति व वैश्विक शक्ति)

विद्यमान खतरे → सांप्रदायिकता
→ क्षेत्रीयता
→ भाषायी भेदभाव
→ जातिगत भेदभाव
→ राजनीतिक स्तर का गिरना

इन खतरों का सही समाधान 'एक इन्क्रेडिबल इण्डिया' को स्थापित करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. भारत में फार्मास्युटिकल उद्योग के विकास के प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए। साथ ही, भारत की अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक स्वास्थ्य के संबंध में इसके महत्व पर भी चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
State the key factors behind the growth of the pharmaceutical industry in India. Additionally, discuss its significance with regard to India's economy and public health.(Answer in 150words)10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

फार्मास्युटिकल उद्योग, चिकित्सा क्षेत्र से संबंधित है। भारत में चिकित्सा क्षेत्र का विकास एवं वैश्विक माँग इसकी वृद्धि में सहायक है।

विकास के प्रमुख कारक →

1.) श्रम सस्ता

2.) अवसंरचनात्मक व्यय प्रति इकाई काफी कम

3.) कच्चे माल की उपलब्धता आसान
↳ विविध मृदा व जलवायु के कारण विभिन्न कच्चे माल उपलब्ध

4.) R&D पर भारत सरकार द्वारा प्रोत्साहन

5.) PLI स्कीम में शामिल करना

महत्व →

1.) अर्थव्यवस्था

(i) रोजगार

(ii) इंफ्रा में वृद्धि

(iii) निर्यात में वृद्धि

→ फोरेक्स ↑

→ आयात बिल ↓

→ नेट निर्यात ↑

2.) सार्वजनिक स्वास्थ्य

(i) सभी तक मेडिकल पहुँच

(ii) त्वरित चिकित्सीय सहायता

(iii) समावेशी स्वास्थ्य विकास

हालाँकि API मंदी (बल्क ड्रग) एवं महामारी के समाप्त होने के कारण इस उद्योग पर प्रभाव पड़ा है लेकिन सरकारी व निजी प्रयासों से यह गतिशील है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

7. चर्चा कीजिए कि अरब सागर की तुलना में बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के प्रति अधिक प्रवण क्यों है। साथ ही, दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की घटना में आने वाली कमी के कारणों की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones than the Arabian Sea. Also, explain the reasons for the decrease in frequency of tropical cyclones during the Southwest monsoon season. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

समुद्र सतह पर निम्न दाब क्षेत्र का बनना चक्रवात कहलाता है जिसकी दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में एंटीक्लोकवाइज होती है।

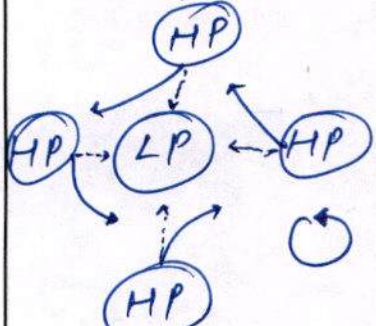

उत्तरी गोलार्द्ध

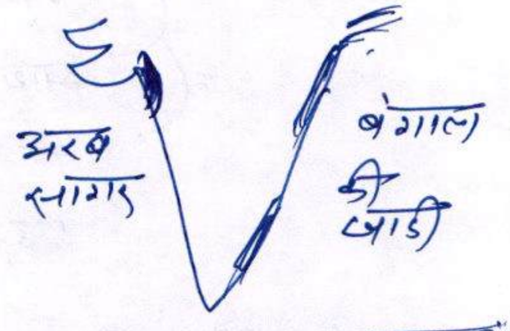

चक्रवात प्रवणता

बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के प्रति अधिक प्रवण क्यों? →

(i) अरब सागर की तुलना में वृहत क्षेत्रफल

(ii) समुद्र की सतह अरब सागर की तुलना में अधिक गर्म

(iii) संचालन हेतु वायु का सहारा

उदा॰ अरब सागर के चक्रवात -19% ही भूमि पर
बंगाल की खाड़ी - 40% भूमि पर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

S-W मानसून के दौरान ट्रॉपिकल साइक्लोन कम →

(i) वायु का ऊर्ध्वाधर संचलन अधिक

(ii) ITCZ का उत्तर की ओर खिसकना।

(iii) निम्न दाब का कमजोर होना

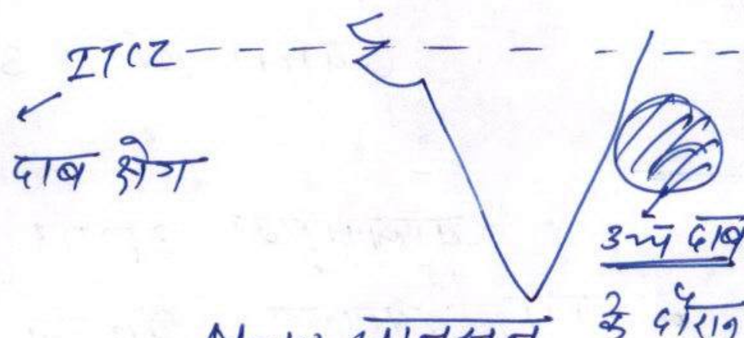

ठंडी सोमाली धारा हालाँकि अरब सागर में चक्रवात निर्माण को रोकती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन एवं आर्कटिक के पिघलने के कारण अरब सागर में भी चक्रवात वृद्धि देखी जा सकती है। हालाँकि प्राकृतिक परिस्थितियाँ अभी भी बंगाल की खाड़ी के पक्ष में हैं।

8. प्रकृति में विनाशकारी होने के बावजूद, ज्वालामुखी पृथ्वी पर मानव जीवन के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Despite being destructive in nature, volcanoes are critical for the existence of human life on earth. Elucidate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पृथ्वी की आंतरिक चट्टानों का पिघलकर लावा के रूप में भू-पर्पटी से बाहर निकलना ज्वालामुखी उद्गार कहलाता है।

उदा॰ → 2022 का हवाई द्वीप पर किलाउआ व मोनालोआ ज्वालामुखी उद्गार

ज्वालामुखी उद्गार के फलस्वरूप लावा, धूलकण, विभिन्न गैसें निकलती हैं।

ज्वालामुखी उद्गार के प्रभाव →

नकारात्मक →

(i) अस्थाई शीतलन

(ii) वायु की गुणवत्ता का ह्रास

(iii) जलवायु परिवर्तन

(iv) ग्रीन हाउस गैस प्रभाव में वृद्धि
↳ सल्फर के ऑक्साइड के कारण

(v) वनस्पति व मानव - पशु विनाश

(vi) इंफ्रा की हानि

लाभ →

(i) नयी ~~क्रस्ट~~ का निर्माण

(ii) मृदा की क्षारीयता में वृद्धि
↳ उत्पादकता ↑
उदा० → काली मिट्टी की उत्पादकता सर्वाधिक

ज्वालामुखी विनाशकारी होने के बावजूद लाभदायी भी है जो मानव जीवन को नयी भूमि व मृदा उत्पादकता में वृद्धि द्वारा आवास व भोजन सुरक्षा प्रदान करती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. क्षेत्रवाद के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करने में सापेक्ष अभाव एक महत्वपूर्ण पहलू है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The existence of relative deprivation is an important aspect in constructing the argument for regionalism. Explain with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्षेत्रवाद, किसी क्षेत्र की भावनाओं एवं हितों को राष्ट्रीय हितों के ऊपर प्राथमिकता देना है।

क्षेत्रवाद के कारक

(i) भौगोलिक, सांस्कृतिक पृथक्करण

उदा॰ → उत्तर-पूर्वी भारत

(ii) आर्थिक असमानता

उदा॰ → झारखण्ड निर्माण
→ खालिस्तान आंदोलन का प्रमुख कारण भी यही है कि पंजाब आर्थिक रूप से सशक्त है एवं स्वायत्तता चाहता है।

(iii) भाषायी भेद →

उदा॰ → द्रविडनाडु
→ तेलंगाना / आंध्र आंदोलन (1953)

सापेक्ष अभाव महत्त्वपूर्ण पहलू

(i) किसी राज्य के भीतर आर्थिक अभाव

उदा० → सौराष्ट्र व विदर्भ आंदोलन

(ii) देश में आर्थिक अभाव

उदा० → उत्तर-पूर्वी राज्य

उपाय
→ (i) पिछड़े क्षेत्रों हेतु पृथक योजना निर्माण
उदा० → NE के लिये PM-DEVINE योजना
→ (ii) पृथक राज्य निर्माण
उदा० → बिहार से झारखंड निर्माण
→ (iii) उद्योगों की स्थापना।
उदा० → पूर्वी भारत के राज्य छत्तीसगढ़ व उड़ीसा

क्षेत्रीयता में यदि अभाव पहलू बनकर आता है तो सकारात्मक कार्यवाही द्वारा इसका समाधान ही राष्ट्रीय एकता स्थापित कर सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. यदि भारत को 'सबके लिए शिक्षा' के लक्ष्य को हासिल करना है तो छेड़छाड़ और स्कूली हिंसा के अन्य रूपों के बढ़ते मामलों की समस्याओं से तत्काल निपटने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
If India is to realise the goal of 'education for all', the issue of rising cases of bullying and other forms of school violence needs to be addressed immediately. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नई शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख उद्देश्य 'सबके लिये शिक्षा' है लेकिन जाधवपुर विश्वविद्यालय की रैगिंग घटना जैसे प्रकरण इसे कठिन बना देते हैं।

सबके लिये शिक्षा में बाधा वाले कारक

(i) छोटी बच्चियों से शिक्षकों द्वारा छेड़छाड़
(ii) लैंगिक असमान व्यवहार
(iii) जातिगत भेदभाव
(iv) सीनियर द्वारा रैगिंग
(v) फीस के लिये पीटा जाना
(vi) सामाजिक नियंत्रण हेतु शिक्षकों द्वारा हिंसा का प्रयोग

प्रभाव

(i) ड्रॉपआउट दर में वृद्धि

(ii) बच्चों में अवसाद व आत्महत्या की समस्या

(iii) अभिभावकों में भय

(iv) शिक्षा व शिक्षकों के प्रति सम्मान में कमी

उपाय →

(i) सुप्रीम कोर्ट की एंटी रैगिंग गाइडलाइन का उपयोग

(ii) बच्चों में गुड टच- बैड टच की जागरूकता

(iii) अध्यापक- अभिभावक लगातार मीटिंग

बच्चों को स्वस्थ शैक्षिक वातावरण देने के परिणामस्वरूप सबके लिये शिक्षा सुलभ हो सकेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को आकार देने में अहोम साम्राज्य द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालिए तथा समकालीन समय में इसकी विरासत पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Bring out the role played by the Ahom Kingdom in shaping the cultural and historical identity of North-East India, and discuss its legacy in contemporary times. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अहोम साम्राज्य, असम एवं पूर्वोत्तर भारत का शासक था। इसने मुगलों को इस क्षेत्र में बढ़ने से रोका एवं साथ ही अहोम साम्राज्य को सांस्कृतिक रूप से विकसित करते हुये ऐतिहासिक पहचान दी।

अहोम साम्राज्य

सांस्कृतिक पहचान

1.) लोक गीतों को बढ़ावा

2.) लोक नृत्य (जैसे - बीहू) को प्रोत्साहन

3.) शंकरदेव जैसे महान व्यक्तित्व इसी समय हुये जिन्होंने भक्ति आंदोलन को इस क्षेत्र में बढ़ावा दिया।

4.) त्यौहारों का विकास इस साम्राज्य के

समय तीव्रता से हुआ।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5.) चीनी एवं बर्मी संस्कृति का भारतीय संस्कृति से समन्वय किया

6.) अहोम स्तूपों का निर्माण व्यापक मात्रा में

ऐतिहासिक महत्त्व →

1.) सदियों तक पृथक साम्राज्य को संचालित किया

2.) सराईघाट के युद्ध में मुगल सेना को हराया

3.) लाचित बोरफुकान जैसे सेनापति इसी साम्राज्य की देन

4.) अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष एवं 1825 के बाद 1827 में अहोम विद्रोह।

समकालीन समय में विरासत →

1.) लोक संस्कृति को जीवित रखने के कारण महत्त्व

2.) स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान

3.) स्तूपों के रूप में स्थापत्य विरासत

4.) भक्ति आंदोलन का विस्तार

5.) राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रीयता की पहचान (लचित बोरफुकान)

अहोम साम्राज्य अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद पर्याप्त प्रचारित नहीं हो पाया है इसका प्रसार प्रचार भारतीय संस्कृति एवं पर्यटन क्षेत्र में एक नया आयाम जोड़ेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. 1940 के दशक तक पूंजीपति वर्ग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समर्थन देने के विषय में सामान्यतः दुविधा में रहा है। इस संदर्भ में, संपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय पूंजीपतियों की अलग-अलग स्थितियों का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The capitalist class generally remained ambivalent in their support to the Indian National Congress until 1940s. In this context, analyse the varying positions of the Indian capitalists throughout the national movement. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारतीय पूंजीपति वर्ग भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में लगातार असमंजस की स्थिति में रहा।

कारण → समर्थन → (i) राष्ट्रीयता की भावना
(ii) सामाजिक विकास
(iii) देश के प्रति कर्त्तव्य निर्वाह
(iv) आंदोलन को पूंजीगत सहायता देने हेतु आवश्यकता
(v) स्वदेशी आंदोलन का लाभ

↓ विरोध
→(i) व्यापार पर प्रभाव
→(ii) विदेशी माल के आयात पर निर्भरता
→(iii) तकनीक हेतु अंग्रेज एवं विदेश पर निर्भर
→(iv) स्वतंत्रता की अनिश्चितता

पूंजीपतियों की स्थिति →

(1) दादाभाई नौरोजी → भारतीय स्वतंत्रता

आंदोलन के पूर्ण समर्थक

(ii) INC की कई बार अध्यक्षता

(iii) ब्रिटेन हाउस में भारत का प्रतिनिधित्व

(iv) ड्रेन ऑफ वेल्थ थ्योरी भी।

(2.) J.R.D. टाटा →

→ पूंजीपतियों में सर्वाधिक धन की सहायता

→ समाज हित में भी कार्य

(3.) जमनालाल बजाज →

→ गांधीजी के पाँचवे पुत्र के नाम से प्रसिद्ध

→ INC एवं आंदोलन को वित्तीय सहायता

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

लेकिन इनके साथ बहुत से ऐसे पूंजीपति थे जिन्होंने अपने व्यापार एवं लाभ को तरजीह दी थी क्योंकि उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की सफलता निश्चित नहीं लग रही थी।

परिणाम → (i) अंग्रेजों द्वारा उन्हें लुभाने का प्रयास

(ii) भारतीय जनता के एक वर्ग का कटाव

(iii) स्वतंत्रता आंदोलन कमजोर

1940 के दशक तक यह सहयोग अनिश्चित था लेकिन इस दशक में भारत की आर्थिक प्रगति हेतु बोम्बे प्लान जैसी योजनाएँ भी इसी वर्ग द्वारा दी गयीं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

13. भारत में प्रेस के उद्भव का परिचय दीजिए। साथ ही, अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के विभिन्न चरणों के दौरान इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Trace the evolution of the press in India. Also, discuss the instrumental impact it had during various stages of the Indian freedom struggle despite the repressive policies of the British. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

भारत में प्रेस लाने का श्रेय ईसाई मिशनरियों को जाता है। इन्होंने अपने धार्मिक प्रचार हेतु 16वीं सदी में पुस्तकें छापनी शुरू की।

भारत का पहला समाचार पत्र 1773 ई. में जेम्स ऑगस्ट हिक्की द्वारा बंगाल गजट था।

→ राजा राय का पत्र मिरातुल-अखबार

→ हिन्दी का पहला पत्र - उदंत मार्तण्ड

→ अमृत बाजार पत्रिका
↳ वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट का पहला शिकार

इनके साथ ही लगभग सभी भारतीय सुधारकों

एवं राष्ट्रीय नेताओं ने समाचार पत्र निकाले

जैसे - महात्मा गाँधी — हरिजन, यंग इंडिया

तिलक — केसरी, मराठा

अंग्रेजी दमनकारी नीतियाँ →

(i) 1799 - लाइसेंसिंग एक्ट

(ii) 1823 - रेगुलेशन एक्ट

(iii) 1878 - वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट

इत्यादि

हालाँकि 1835 का मैटकाफ एक्ट, भारतीय प्रेस का मैग्नाकार्टा एवं उद्धारक कहा जाता है जिसने भारतीय प्रेस को स्वतंत्रता दी।

इसके बावजूद भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष पर प्रभाव →

(i) सस्ता एवं पहुँच आसान होने के कारण आम जन तक भारतीय नेताओं की पहुँच

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(ii) राष्ट्रीय भावनाओं का प्रसार

(iii) राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में अहम भूमिका

(iv) 1899 के पेनिन्सुलर हड़ताल के दौरान तिलक द्वारा केसरी में समर्थन
↳ मजदूरों को साथ मिला
स्वदेशी आंदोलन में मजदूरों का साथ

(v) 'हरिजन' द्वारा गांधीजी द्वारा अस्पृश्यता उन्मूलन का प्रयास।

अंग्रेजी दमन के बावजूद भारतीयों ने जमकर अंग्रेजों की आलोचना की जिसने स्वतंत्रता प्राप्ति में सहयोग किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

14. विभिन्न प्रकार के मरूस्थलों के निर्माण के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालते हुए, उनमें पाई जाने वाली प्रमुख भू-आकृतियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Highlighting the factors behind the formation of different types of deserts, give a brief account of the major landforms found in them. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व में विभिन्न प्रकार के मरुस्थल पाये जाते हैं जिनका निर्माण विभिन्न जलवायवीय परिस्थितियों के कारण हुआ है।

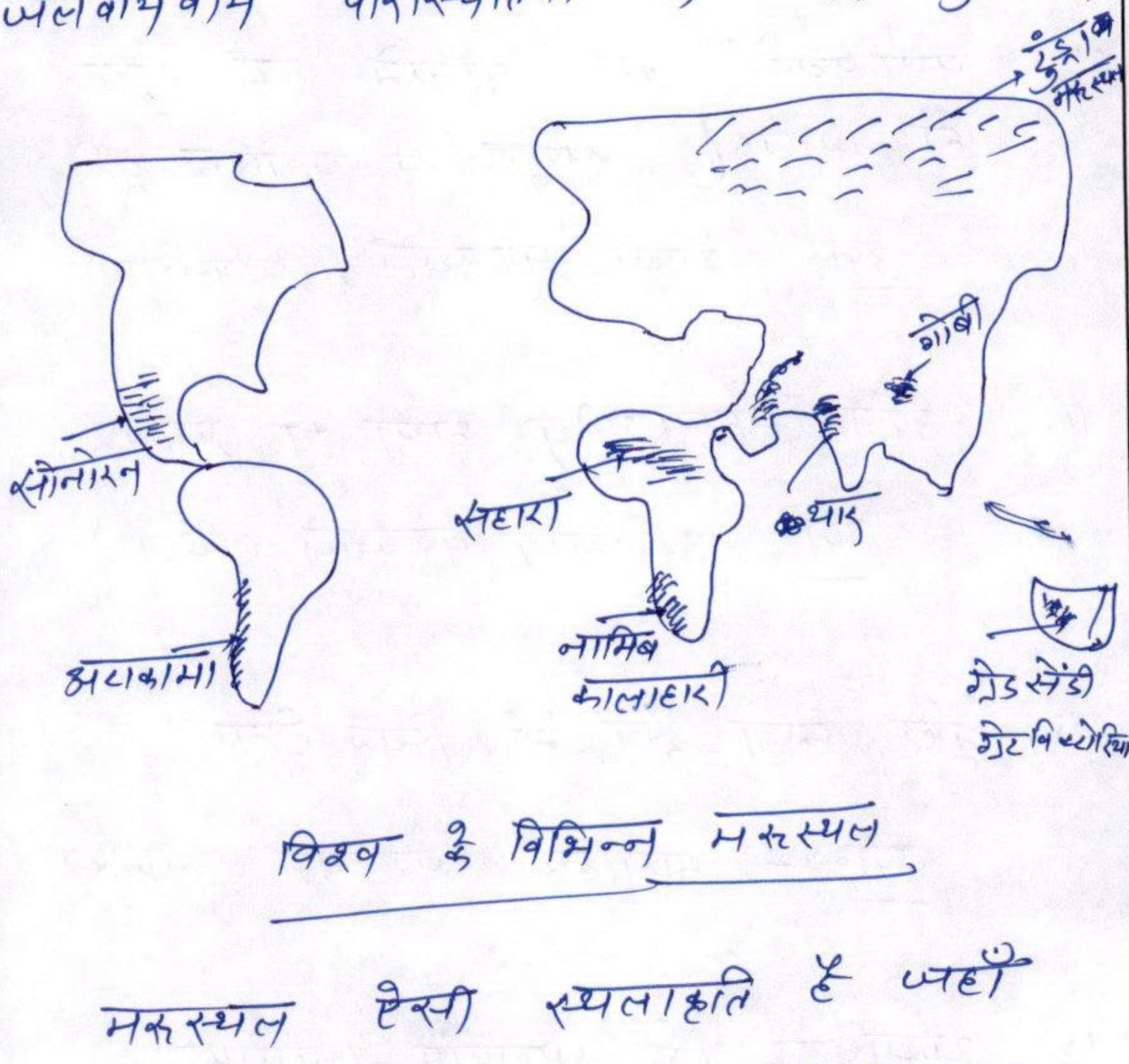

विश्व के विभिन्न मरुस्थल

मरुस्थल ऐसी स्थलाकृति है जहाँ अत्यंत कम वनस्पति एवं वर्षा (<25 cm) पायी जाती है। मृदा का अनुपजाऊपन इसकी प्रमुख विशेषता है।

उदा० थार मरुस्थल (भारत)

निर्माण के उत्तरदायी कारक →

(i) उच्च वायु दाब पेटी में स्थित होना

उदा॰ थार ↳ STHPB क्षेत्र (25° - 35° अक्षांश) मरुस्थल (भारत) व सहारा मरुस्थल (अफ्रीका)

(ii) वर्षा पवनों का पहुँचने तक शुष्क हो जाना (समुद्र से अत्यधिक दूरी)

उदा॰ - गोबी मरुस्थल (मंगोलिया)

(iii) ठण्डी महासागरीय धारा का प्रभाव

उदा॰ - अटाकामा मरुस्थल (चिली)

(iv) वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होना

उदा॰ - कालाहारी मरुस्थल (अफ्रीका)

(v) अत्यधिक ठंडी जलवायु (पर्माफ्रॉस्ट)

उदा॰ - टुंड्रा रीजन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

प्रमुख भू - आकृति →

(i) सेरिर व हमादा
पथरीला भाग — कंकड़ युक्त मरुस्थल
उदा० → सहारा रेगिस्तान

(ii) प्लाया → मरुस्थल में झील
उदा. → राजस्थान में थार मरुस्थल

(iii) थॉर्न, थर्स्ट जैसी अन्य भू-आकृति।

प्राकृतिक मरुस्थल बनने का कारण जलवायवीय कारक हैं परन्तु इनके विस्तार में मानवीय क्रियाओं का योगदान रहा है। UNCBD की 30×30 प्लेज एवं बॉन चैलेंज जैसे प्रयास इसमें कमी कर सकते है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

15. पर्वत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र हैं जो जलवायु परिवर्तन और अन्य मानवजनित व्यवधानों के प्रतिकूल प्रभाव के प्रति संवेदनशील होते हैं। उदाहरण सहित समझाइए। साथ ही, उनके संधारणीय प्रबंधन के लिए शुरू की गई पहलों को भी रेखांकित कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mountains are fragile ecosystems vulnerable to the adverse impact of climate change and other anthropogenic interventions. Illustrate with examples. Also, highlight the initiatives taken for their sustainable management. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्वत, सामान्य भूमि से उच्च स्तर पर अवस्थित होते हैं जिनका निर्माण प्लेट टेक्टोनिक प्रक्रिया द्वारा (फोल्ड अथवा ब्लॉक पर्वत) होता है।

जैसे → हिमालय (फोल्ड पर्वत)

IPCC की 5th रिपोर्ट के अनुसार हिमालय पारिस्थितिकी तंत्र जलवायु परिवर्तन द्वारा अपरिवर्तनीय हानि उठायेगा।

संवेदनशीलता के कारण

(i) मानव द्वारा इंफ्रा निर्माण

(ii) अत्यधिक ठोस कचरा प्रदूषण

(iii) वाहनों से निकला धुँआ बर्फ

को ढँक देता है जिससे उसका अल्बीडो ↓
↓
बर्फ पिघलना ↑↑

(iv) वनों की कटाई

(v) वर्षा की अनियमितता

↳ अल्पकालीन तीव्र वर्षा
↓
संवेदनशील ढलान
↓
भू-स्खलन एवं बाढ़ की स्थिति

उदा॰ → (i) 2014 – कश्मीर बाढ़
(ii) 2022 – उत्तराखंड भू-स्खलन
(iii) 2023 – शिमला बाढ़ व भू-स्खलन

प्रभाव
- (i) वन्य जीव व प्रजातियों का विलुप्त होना
- (ii) इंफ्रा नुकसान
- (iii) मानव हानि
- (iv) जलवायु एवं वर्षा पर समग्र प्रभाव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

संधारणीय प्रबंधन हेतु पहलें →

मानव गतिविधि भी आवश्यक (विकास हेतु)
- पर्यटन
- उद्योग
- कृषि

संरक्षण भी आवश्यक
- भावी पीढ़ी
- वर्तमान सुरक्षा
  - आपदा
  - अकाल

कुछ प्रमुख पहलें निम्न हैं—

(i) पर्वतमाला परियोजना (सतत् सड़क निर्माण)

(ii) सतत् हिमालय परियोजना

(iii) हिमालय बचाओ अभियान

(iv) अर्ली वार्निंग सिस्टम व मैपिंग

(v) बिल्डिंग कोड

पर्वत पारिस्थितिकी तंत्र व मानव जीवन सहसंबंधित हैं। अतः दोनों का ही सतत् संरक्षण आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

16. भारत में रेत संसाधनों के असंधारणीय प्रबंधन के लिए उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए। इसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए इस संदर्भ में किए गए उपचारात्मक उपायों का वर्णन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)
Discuss the reasons behind unsustainable management of sand resources in India. Highlighting its impact, enumerate the remedial measures taken in this context. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रेत एक प्राकृतिक संसाधन है जो नदी एवं समुद्र तट पर विद्यमान होता है।

उदा० → चंबल नदी का रेत → भवन निर्माण हेतु अत्यधिक प्रभावी

→ रेत राज्य सूची का विषय है।

असंधारणीय प्रबंधन हेतु उत्तरदायी कारक →

(i) अवैध दोहन

(ii) जनता एवं सरकार में पर्याप्त समन्वय नहीं

(iii) आजीविका का साधन

(iv) कार्यवाही के डर के कारण पुलिस की पहुँच से दूर लेकिन संवेदनशील स्थलों पर दोहन

(v) असतत् प्रौद्योगिकियों का प्रयोग

(vi) सरकार द्वारा पर्याप्त स्पष्टताव प्रयास नहीं

प्रभाव →

(i) जैव विविधता संकट

उदा॰ → घड़ियाल - चंबल नदी

ओलिव रिडले कछुआ - उडीसा तट

(ii) तट की सुंदरता समाप्त

↳ पर्यटन ↓ → आर्थिक हानि

(iii) भू-धँसाव

↳ मानव जीवन व इंफ्रा पर प्रभाव

(iv) समुद्र एवं नदी का प्रसार

↳ भूमि की क्षति

(v) पर्यावरण पर प्रभाव

(vi) असतत प्रबंधन के कारण भावी पीढ़ी पर खतरा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

उपचारात्मक उपाय →

(i) M-सैंड नीति
↳ कृत्रिम रेत का प्रयोग
↳ सरकारी निर्माण में अनिवार्य

(ii) पर्याप्त निगरानी उपाय

(iii) रेत खनन कई राज्यों में अवैध घोषित

(iv) सरकार व जनता की भागीदारी।

नदी व तटीय पारितंत्र में रेत अहम भूमिका निभाता है। घड़ियाल जैसे संकटग्रस्त जीवों के अंडों का टूटना एवं सरकार की राजस्व हानि जैसे नुकसानों को रोकने के लिये समुचित कार्यवाही आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

17. प्रमुख लिथियम उत्पादक देशों का विवरण देते हुए, लिथियम उत्पादन के भू-राजनीतिक पहलुओं और इसके पर्यावरणीय प्रभावों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Giving an account of the major lithium-producing countries, discuss the geo-political aspects of lithium production and its environmental implications. (Answer in 250 words) 15

अभ्यर्थियों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

लिथियम, डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिये आवश्यक प्रमुख पहलू है जिसका उपयोग लिथियम आयन बैटरी निर्माण में होता है।

इसका यही उपयोग इसे वैश्विक स्तरीय धातु एवं खनिज बना देता है।

प्रमुख उत्पादक देश → चिली, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, वेनेजुएला, चीन, कजाखस्तान एवं अन्य मध्य एशियाई देश एवं अफ्रीका

प्रमुख भू-राजनैतिक पहलू

(i) वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा आवश्यकता हेतु उपयोगी

(ii) देशों का बढ़ता एकाधिकार

(iii) ऐसे देशों का माँग व आपूर्ति पर नियंत्रण

(iv) USA - China ट्रेड वार
- USA डिलिंकिंग प्रॉसेस
- China+1 नीति

(v) भारत का महत्त्वपूर्ण कोण के रूप में उभरना

(vi) अफ्रीका में बढ़ती वैश्विक रुचि

(vii) मध्य - एशियाई देशों के महत्त्व में वृद्धि

(viii) ग्लोबल सप्लाई चेन का संकट

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरणीय प्रभाव →

(i) जहरीली गैसों का उत्सर्जन

(ii) अपघटन पर पर्यावरण का निम्नीकरण

(iii) जलवायु परिवर्तन व ग्लोबल वार्मिंग में उत्तरदायी

(iv) लिथियम दोहन हेतु वनों को नष्ट किया जा रहा है।

(v) मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्रमुख पहलें

(i) MSP पहल - अमेरिका द्वारा
↳ ~~क्रिटिकल~~ क्रिटिकल मिनरल सप्लाई चेन हेतु

(ii) विभिन्न राष्ट्रीय संकेतक व बचाव अभियान

लिथियम एक दोधारी तलवार है। दीर्घकालीन दुष्प्रभावों को देखते हुये इसके विकल्पों की तलाश आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

18. युवा वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को समाहित करने तथा अपने देशों के बाहर की घटनाओं और अनुभवों से जुड़ने में सक्षम हैं। इस संदर्भ में, युवा पहचान के विभिन्न पहलुओं पर वैश्वीकरण के प्रभाव की विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

The youth are capable of identifying themselves with a global identity and connecting with events and experiences outside their countries. In this context, discuss the impact of globalization on the various aspects of youth identity. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं का आपस में आवागमन होता है। इसके साथ ही वैश्विक संस्कृतियाँ भी एक-दूसरे के निकट आती हैं।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया द्वारा सर्वाधिक प्रभावित वर्ग 'युवा वर्ग' है।

युवा वर्ग पर वैश्वीकरण का प्रभाव →

सकारात्मक प्रभाव →

(i) नवीन तकनीक का ज्ञान
(ii) वैश्विक घटनाओं तक पहुँच
(iii) वैश्विक किशोर (Global youth) बनने के कारण विकास

(iv) नये अवसरों तक पहुँच

(v) शिक्षा एवं व्यवसाय के विविधीकरण की प्राप्ति

नकारात्मक प्रभाव

(i) शहरीकरण में वृद्धि

(ii) वास्तविक दुनिया से कटाव

(iii) परिवार से दूरी

(iv) पीढीगत अंतर बढा

(v) अवसाद व आत्महत्या की समस्या

(vi) ज़ीनोसेंट्रिज्म (Xenocentrism) की समस्या → बर्गर > दही चाट
↓
अपनी संस्कृति को हीन समझना एवं दूसरी संस्कृति का अंधानुकरण

(vii) ग्लोबलाइज़ेशन (Grobalisation) की समस्या
↳ व्यापारिक साम्राज्यवाद (मैक्डोनाल्डीकरण)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपाय

(i) भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों से पहचान

(ii) परिवार द्वारा सामाजिक मूल्यों की सीख

(iii) विदेशी संस्कृति का तार्किक विवेचन

युवा वर्ग को वैश्वीकरण ने दोनों ही रूपों में प्रभावित किया है। वैश्वीकरण का सकारात्मक उपयोग करने के लिये आवश्यक है कि युवा वर्ग इस प्रभाव का तार्किक पक्ष से विवेचन करे और सकारात्मक पक्ष ग्रहण करे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19. जैसे-जैसे भारत में प्रजनन दर में गिरावट आ रही है, भविष्य की जनसांख्यिकीय चिंताएं वृद्धजनों की बढ़ती आबादी और एक कमजोर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के आस-पास केंद्रित होती जा रही हैं। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As fertility rates decline in India, future demographic concerns center around an ageing population and a weak social security system. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रजनन दर, महिला द्वारा अपने प्रजनन जीवन काल में उत्पन्न किये गये बच्चों की संख्या है।

आदर्श प्रजनन दर 2.1% मानी गयी है जो भारतीय जनसंख्या नीति, 2000 का मूल उद्देश्य भी है।

लेकिन प्रजनन दर की कमी के कारण जनसंख्या निकाय में वृद्ध आबादी का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है जो 2065 तक भारत की जनसंख्या का 37% होने की संभावना है।

प्रजनन दर की गिरावट का प्रभाव →

सकारात्मक → (i) जनसंख्या नियंत्रण

(ii) महिलाओं को अधिक अवसर

(iii) कल्याणकारी परियोजनाओं पर कम व्यय

(iv) स्वास्थ्य स्तर में वृद्धि

(v) रोजगार प्रतिशत एवं कुशलता में पर्याप्त वृद्धि

नकारात्मक → (i) वृद्ध आबादी में वृद्धि

(ii) जनांकीय लाभांश नहीं

(iii) युवा शक्ति श्रम प्रभावी जो राष्ट्र के विकास में अहम योगदान देती है।

वृद्ध आबादी वृद्धि व कमजोर सामाजिक सुरक्षा

(i) आश्रित जनसंख्या↑ (जो श्रमबल नहीं)

(ii) स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय ↑

(iii) केयर इकॉनोमी में वृद्धि

(iv) परिवारों के एकलता की ओर बढ़ने के

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कारण वृद्धों की देखभाल नहीं
↓
ओल्ड एज होम (वृद्धाश्रम) ↑↑

उपाय →

(i) वृद्धों के अनुभवीय ज्ञान का उपयोग किया जा सकता है।

(ii) जो वृद्ध कार्यशील हैं उनका सेवाकाल बढ़ाया जा सकता है।

(iii) सिल्वर इकोनॉमी का उपयोग प्रभावी

(iv) स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

वृद्धावस्था एक निश्चित अवस्था है। स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती गुणवत्ता ने जीवन प्रत्याशा 69.7 वर्ष कर दी है। अतः आवश्यक है कि प्रजनन दर को न बढ़ाकर सिल्वर इकॉनोमी व सामाजिक सुरक्षा (जीवन ज्योति, अटल पेंशन इत्यादि) को बढ़ाया जाये।

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20. 2030 तक भारत की आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के शहरी क्षेत्रों में निवास करने की उम्मीद है, ऐसे में शहरी गरीबों के कल्याण को लोक नीति के केंद्र में लाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With a significant proportion of India's population expected to live in urban areas by 2030, the welfare of the urban poor needs to take centre-stage in public policy. Discuss. (Answer in 250 words) 15

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शहरीकरण एक प्रक्रिया है जिसमें गाँवों से शहरों की ओर पलायन के साथ-साथ, शहरों के क्षेत्रफल में विस्तार भी शामिल है।

अनुमान है कि 2030 तक भारत की लगभग 40% आबादी शहरों में निवास करेगी।

समस्या है कि आबादी का इतना बड़ा हिस्सा क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे हिस्से में निवास करेगा।

भारत के शहरीकरण की एक विशेषता मेगा सिटी विस्थापन है जिसके परिणाम स्वरूप शहरीकरण चुनिंदा बड़े शहरों (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद आदि) में ही होता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

असमान शहरीकरण के प्रभाव →

(i) झुग्गियों का विकास

(ii) बीमारियाँ अत्यधिक संभावित

(iii) शुद्ध पेयजल व सीवरेज की समस्या

(iv) बेरोजगारी अथवा अल्प रोजगार
↳ क्षमता व कौशल की तुलना में कम आमदनी

(v) गरीबों तक सेवाओं की पहुँच सीमित

शहरी गरीब कल्याण : लोक नीति केन्द्र में लाने की आवश्यकता →

(i) अधिकांश शहरी प्रवासी गरीब तबके के लोग

(ii) सामाजिक न्याय की उपलब्धता नहीं

(iii) रोजगार की कमी राजनीतिक न्याय पर संकट

(iv) स्वस्थ भारत हेतु आवश्यक

(v) भारत का समावेशी विकास इनके विकास के बिना संभव नहीं।

किये गये प्रयास →

(i) स्मार्ट सिटी मिशन

↳ उपमिशन - झुग्गियों का विकास

— समग्र स्वास्थ्य व रोजगार प्रदान योजना

(ii) राजस्थान में इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट योजना

(iii) स्वनिधि योजना

(iv) मुद्रा लोन

शहरी गरीबी को लोक नीति के केन्द्र में लाकर ही SDG गोल्स व DPSPs का कार्यान्वयन संभव है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK